केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 200 गुरूवार 13 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बैंक के एटीएम को तोड़ने की कोशिश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर कोतवाली क्षेत्र के मालवीय रोड स्थित एक प्राइवेट फाइनेंस बैंक का एटीएम तोड़कर उसमें कैश चोरी करने का प्रयास किया गया। मशीन के बाहर का लॉक तो चोर ने तोड़ लिया, लेकिन अंदर का लॉक तोड़ने में नाकाम रहे। इस बीच सिक्योरिटी अलॉर्म भी बज उठा। सूचना पर बैंक के अफसर के साथ पुलिस भी पहुंच गई। कोतवाल राणा देवेन्द्र सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। मालवीय रोड पर उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक की शाखा स्थित है। रंजीत चौराहे पर बैंक के साथ एटीएम लगा है। शाखा प्रबंधक अंकुर सिंह ने बताया कि 10 फरवरी की रात करीब एक बजे उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक के एटीएम में एक संदिग्ध व्यक्ति अंदर घुसा। वह एटीएम के साथ छेड़छाड़ करने लगा। चोरी के इरादे से बाहरी लॉक को तोड़ दिया। लेकिन मेन लॉक, जिसमें कैश रखा होता है, इसे वह तोड़ने में असमर्थ रहा। उनके अनुसार सिक्योरिटी अलॉर्म की मदद से इसकी जानकारी हुई और सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन तब तक चोर मौके से भाग निकला था। उनकी तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच एसआई अरुण पांडेय को सौंपी गई है।

किशोरी के साथ दुष्कर्म

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के एक गांव में किशोरी से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पैसे का लालच देकर अधेड़ ने किशोरी संग दुष्कर्म किया। घटना की सूचना घरवालों ने पुलिस को दी है। प्रभारी निरीक्षक मोती चंद राजभर ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को गांव का एक अधेड़ 15 वर्षीय किशोरी को पैसे का लालच देकर अपने साथ लेकर कहीं चला गया और दुष्कर्म किया। कुछ समय बाद किशोरी रोते हुए घर पहुंची और घटना की जानकारी घरवालों को दी। घरवालों का कहना है कि घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

एक मार्च से 52 केंद्रों पर शुरू होगी गेहूं खरीद

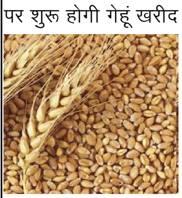

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गेहूं खरीद एक मार्च से शुरू होगा। सरकार इस बार गेहूं 2450 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीद करेगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने जिले में कुल 52 गेहूं खरीद केन्द्र बनाए हैं। शासन स्तर से जिले को 75 हजार मिट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य है। गेहूं खरीद के लिए क्रय केंद्रों का भी निर्धारण जिला विपणन अधिकारी विपिन कुमार की ओर से तैयार कर लिया गया है।

प्रभारी अधिकारी गेहूं खरीद को इसकी सूची भेज दी गई है। गेहूं क्रय केंद्रों पर एक मार्च से खरीद शुरू कर दिया जाएगा। इस वर्ष सरकार ने एमएसपी मूल्य 2450 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारण किया गया है। वहीं पिछले वर्ष 2275 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं की खरीद हुई थी। इस बार जिले के 14 ब्लाकों में 52 गेहूं खरीद केन्द्रों पर किसान अपनी गेहूं उपज की बिक्री कर सकेंगे। जिसमें बस्ती सदर तहसील में 26 गेहूं क्रय केंद्र, भानपुर–6, रूधौली–6 व हर्रैया में 14 गेहूं क्रय केंद्र खोला गया है।

माघ पूर्णिमा: त्रिवेणी पर उमड़ी आस्था, लगाई श्रद्धा की डुबकी

प्रयागराज (आभा)। माघ पूर्णिमा पर संगम में आस्था की अनंत बूंदों में श्रद्धालुओं ने भक्ति की डुबकी लगाई। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन में हिस्सा बनने के लिए देश के कोने–कोने से श्रद्धालु संगम की रेती पर पहुंचे। यह क्रम जारी है।

पूजहिं माधव पद जलजाता, परसि अखय बटु हरषहिं गाता...। संत तुलसी की इस चौपाई का आशय है कि गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती की पावन त्रिवेणी में डुबकी लगाकर ऋषि–मुनि,देव–दनुज सभी संगम रूपी सिंहासन पर विराजमान जगत के स्वामी भगवान श्रीहरि माधव के चरण कमल को पूज कर धन्य हो जाते हैं। साथ ही अक्षयवट का स्पर्श कर उनके तन–मन के ताप–संताप हमेशा के लिए मिट जाते हैं।

विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ के पांचवें सबसे बड़े स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर एक बार फिर संगम की यही महिमा जगव्यापी श्रद्धा की अमृतमयी बूंदों के स्पर्श की अकुलाहट में साकार हुई। आधी रात से ही माघी पूर्णिमा की पावन डुबकी के लिए मचलता जन सागर दिन भर आस्था के तटबंधों को तोड़कर छलकने के लिए आतुर रहा।मेला प्रशासन ने दोपहर दो बजे तक 12 किमी लंबे संगम के 42 घाटों पर 1.83 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया।

न किसी ने सूर्योदय का इंतजार किया न पुण्यकाल का। आधी रात त्रिवेणी के सुरम्य तट पर हर कोई प्रयाग में माघी पूर्णिमा की महिमा का पुण्य बटोरने की ललक लिए डुबकी मारने लगा। खचाखच भीड़ की वजह से रेती पर न कपड़े रखने की जगह थी न ठिठकने की। उसी जन आस्था में किसी का झोला तो किसी का कपड़ा और किसी के परिवारीजन आंखों से ओझल होते रहे।

इसी बीच में पुरोहितों–संतों की शंख ध्वनियां भी तन–मन को पुलकित कर रही थीं और घंट–घड़ियाल के बीच आस्था, विश्वास और भक्ति की लहरें भी हर अंतस को छूती रहीं। भक्ति के अनंत सागर से निकली आस्था की दिव्य आभा ने संगम से लेकर चार हजार हेक्टेयर क्षेत्रफ्ल में बसे महाकुंभ नगर के शिविरों से निकले रास्तों पर हर तरफ अद्भुत छटा बिखेर दी। पौ फटते ही पूरब की लाली से फूटी किरणें संगम की लहरों पर उतर कर हर तन–मन में शक्ति और उल्लास का संचार करने लगीं। पुण्य की डुबकी लगाने के साथ ही उन्हीं लहरों पर लोक मंगल के गीत गाए जाते रहे।

मनाही के बावजूद संगम पर सौभाग्य के दीप भी जलते रहे और दुग्धाभिषेक भी होता रहा। तिलक–त्रिपुंड लगाने वाले पुरोहितों के चेहरे की मुस्कान देखते बन रही थी। बिहार के बक्सर और झारखंड के गढ़वा स्थित डालटनगंज से ढोल–हारमोनियम लेकर आए श्रद्धालु समूहबद्ध होकर संगम जाने वाले रास्तों पर कीर्तन करते रहे। अलग–अलग भाषा, पहनावा और संस्कृतियों के रंग आपस में इस तरह उल्लसित होकर मिल रहे थे, जैसे वर्षों की चाह पूरी हो रही हो।

बच्चे मम्मी–पाप के कंधे पर सवार थे तो महिलाएं अपने पति या पुत्रों का हाथ थाम कर संगम में नहाने पहुंची थीं। संगम पर पुण्य रूपी कमाई को अर्जित करने के लिए ऐसा ही समागम महाकुंभ में हर तरफ नजर आया। वर्षों बाद महाकुंभ में माघी पूर्णिमा पर कुंभ संक्रांति लगने की वजह से झूंसी से लेकर फाफामऊ, नैनी तक के रास्तों पर जन ज्वार उमड़ता रहा।

एक तरफ डुबकी का उल्लास और दूसरी ओर कल्पवास के मास पर्यंत अनुष्ठानों की पूर्णाहुति ने महाकुंभ में भक्ति के रंग को और गाढ़ा कर दिया। शिविरों में रात भर अखंड रामायण पाठ और कीर्तन शुरू हो गए थे। कथा और सत्संग रूपी ज्ञान का प्रवाह गंगा–यमुना के भक्ति और प्रेम में समाहित होकर अलग त्रिवेणी रचता रहा। माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर सुबह ही हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं, संतों और कल्पवासियों पर पुष्पवर्षा हुई।

संजाफी देवी सेवा संस्थान की पहल: 14 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को संजाफी देवी सेवा संस्थान द्वारा शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज के सामने रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 14 लोगों ने रक्तदान किया। संस्थान के उपाध्यक्ष महेश चन्द्र सिंह ने कहा कि रक्तदान के द्वारा हम जीवन–मृत्यु से संघर्ष कर रहे किसी व्यक्ति की जान बचाने का माध्यम बन सकते हैं। इसीलिये रक्तदान को महादान कहा गया है। माता संजाफी देवी की तीसरी पुण्य तिथि पर यह संस्थान की ओर से एक रचनात्मक पहल है।

रक्तदान शिविर में अमन प्रताप सिंह, वीर बहादुर सिंह, डा. ऋषभ प्रताप सिंह, पंकज सिंह, श्रेष नारायण सिंह, राहुल सिंह, अभिषेक सिंह, सौरभ सिंह, सचिन सिंह, अमित सिंह, महेश सिंह, रईस अहमद, कमलेन्द्र प्रताप सिंह, ऐश्वर्य प्रताप सिंह सहित 14 लोगों ने सेवा के उद्देश्य से रक्तदान किया।

जिला अस्पताल के डा. विजय वर्मा, अनुज सिंह, कीर्त अहमद, भानु प्रकाश यादव, कामिनी सिंह, राजू प्रकाश राव, राकेश भारती, अभिषेक सिंह आदि ने रक्तदान में योगदान दिया।

कुआनो नदी के बंधे के करीब से बदहवास हालत में मिली छात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के लालगंज थानाक्षेत्र में कॉलेज के बाद कोचिंग से घर लौट रही साइकिल सवार छात्रा को रास्ते में रोककर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। सरसों के खेत में बेहोशी की हालत में छोड़कर आरोपी भाग गया। बेटी की तलाश करते हुए परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो उसकी साइकिल, बैग व आपघत्तिजनक सामान मौके पर मिले। अनहोनी की आशंका में सूचना पुलिस को दी। करीब दस घंटे की खोजबीन के बाद पीड़िता को कुआनो नदी के बंधे के करीब से बदहवास हालत में पाया गया। छात्रा से आपबीती जानने के बाद परिजनों ने तहरीर थाने पर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रेप समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। नाबालिग आरोपी को सीडब्ल्यूसी के सामने प्रस्तुत कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

थानाक्षेत्र की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी हाईस्कूल की छात्रा है। वह विद्यालय से छुट्टी होने के बाद लालगंज कस्बे में स्थित एक कोचिंग सेंटर में पांच बजे तक कोचिंग पढ़ती थी। सोमवार की शाम जब वह घर नहीं पहुंची तो परिवार के लोग उसकी खोजबीन करने लगे। उसे तलाशते हुए जब लोग पड़ोस के गांव के सिवान में पहुंचे तो सरसों के एक खेत में छात्रा की साइकिल, स्कूल बैग व अन्य सामान पड़ा मिला। सरसों के पौधे टूटे थे। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जाते हुए पुलिस को सूचना दी। साथ ही कुछ संदिग्धों के नाम भी बताए। जिन्होंने कुछ दिन पहले उसे धमकी दी थी।

तहरीर में पीड़िता के पिता ने बताया कि आरोपी युवक स्कूल से लौटते वक्त उनकी बेटी को बहलाकर सरसो के खेत में ले गया। यहां उसके साथ दुष्कर्म किया। बेटी बेहोश हो गई तो वह भाग निकला। होश आने पर बेटी आरोपी के घर पहुंच गई तो आरोपी के माता–पिता ने उसे मारपीट कर भगा दिया। इधर उसकी साइकिल और बैग मिलने की सूचना पर लालगंज पुलिस ग्रामीणों के साथ किशोरी की तलाश में जुट गई। करीब दस 10 घंटे के पीड़िता बदहवासी की हालत में मंगलवार की भोर करीब चार बजे कुआनो नदी के बंधे पर मिली। इसके बाद उसने आपबीती बताई।

सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह ने कहा, तहरीर के आधार पर दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता का मेडिकल कराया जा रहा है।

दुराचार के आरोपी निलम्बित नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ल बहाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजस्व परिषद आयुक्त व सचिव मनीषा त्रिघाटिया ने निलंबित नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ल को बहाल कर दिया है। उन्हें अयोध्या में नई तैनाती दी गई है। उन पर एक महिला अधिकारी के साथ दुष्कर्म के प्रयास और हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर धाराओं में का मामला दर्ज है। गिरफ्तार होकर जेल जाने के चलते शासन ने उन्हें निलंबित कर आयुक्त कार्यालय कानपुर से संबद्ध कर दिया गया था। आयुक्त व सचिव राजस्व परिषद की ओर से जारी कार्यालय आदेश में बताया कि नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ला संबद्ध आयुक्त कार्यालय कानपुर पर एक अधिकारी के उत्पीड़न, दुष्कर्म के प्रयास, हत्या की कोशिश का मामला दर्ज होने के चलते 20 नवंबर 2023 को निलंबित कर दिया गया था। इसकी जांच आयुक्त लखनऊ मंडल को सौंपी गई थी। नायब तहसीलदार को कोतवाली बस्ती में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 363/2023 धारा 511, 453, 323, 504, 354, 307, 376 आईपीसी के तहत 27 नवंबर 2023 को गिरफ्तार कर लिया गया था। पांच फरवरी 2024 को उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी।

जमानत मिलने पर नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ल ने निलंबन समाप्त करने का अनुरोध किया। निलंबन प्रकरण के जांच अधिकारी आयुक्त लखनऊ ने बताया कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट में चल रहा है। जब तक मामला कोर्ट में चल रहा है, तब तक विभागीय जांच किया जाना उचित नहीं होगा। जांच अधिकारी यह आख्या राजस्व परिषद में भेज दिया। इस आख्या के आधार पर आयुक्त व सचिव राजस्व परिषद ने कहा कि न्यायालय का आदेश आने तक विभागीय कार्रवाई स्थगित की जाती है। आयुक्त ने नायब तहसीलदार को बहाल किया। इसके साथ उन्हें अयोध्या में तैनाती दी गई है। कानपुर के आयुक्त को निर्देश दिया कि एनटी घनश्याम शुक्ला को कार्यमुक्त करते हुए अयोध्या में कार्यभार ग्रहण करने का आदेश निर्गत करें। अयोध्या डीएम को निर्देशित किया कि कार्यभार ग्रहण कराते हुए सूचना राजस्व परिषद को भेजें।

चुनावों से पहले की गई घोषणाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने किया सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों से पहले "मुफ्त चीजें" देने के राजनीतिक दलों के वादे पर बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए लोगों को मुख्यधारा में लाने के बजाए "क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे।" न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि बेहतर होगा कि लोगों को समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बनाकर राष्ट्रीय विकास में योगदान दिया जाए।

पीठ ने सवाल किया, "राष्ट्र के विकास में योगदान देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बनाने के बजाय, क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे हैं?" न्यायमूर्ति गवई ने कहा, "दुर्भाग्यवश, चुनाव से ठीक पहले घोषित की जाने वाली इन मुफ्त की योजनाओं, जैसे 'लाडकी बहिन' और अन्य योजनाओं के कारण लोग काम करने के लिए तैयार नहीं हैं।"

न्यायालय शहरी क्षेत्रों में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहा था। अदालत ने कहा कि लोगों को बिना काम किए मुफ्त राशन और पैसा मिल रहा है। पीठ ने पूछा, "हम उनके प्रति आपकी चिंता की सराहना करते हैं, लेकिन क्या यह बेहतर नहीं होगा कि उन्हें समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बनाया जाए और राष्ट्र के विकास में योगदान करने का मौका दिया जाए?"

याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि देश में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो काम न करना चाहे, यदि उसके पास काम हो। न्यायाधीश ने कहा, "आपको केवल एकतरफा जानकारी है। मैं एक कृषक परिवार से आता हूं। महाराष्ट्र में चुनाव से पहले घोषित मुफ्त सुविधाओं के कारण, किसानों को मजदूर नहीं मिल रहे।" हालांकि, अदालत ने कहा कि वह बहस नहीं करना चाहती। न्यायालय ने कहा कि अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी समेत सभी लोग इस बात पर एकमत हैं कि बेघर लोगों को आश्रय प्रदान करने पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए। पीठ ने पूछा, "लेकिन साथ ही, क्या इसे संतुलित नहीं किया जाना चाहिए?"

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार दो सिखों की हत्या के मामले में दोषी करार

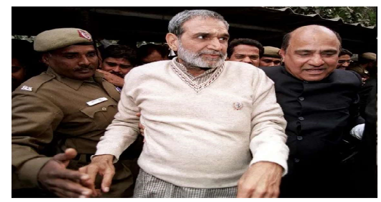

नयी दिल्ली,(आभा)। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार इलाके में दो लोगों की हत्या के मामले में बुधवार को दोषी करार दिया।

विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने दोषसिद्धि का आदेश पारित किया और सजा पर बहस की तारीख 18 फरवरी तय की। सजा सुनाए जाने के लिए कुमार को तिहाड़ जेल से अदालत में पेश किया गया। मामला 1 नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से संबंधित है।

पंजाबी बाग थाने ने शुरू में मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जांच का जिम्मा संभाला था। इस मामले में 16 दिसंबर, 2021 को अदालत ने कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे और उनके खिलाफ "प्रथम दृष्टया" मामला सही पाया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घातक हथियारों से लैस एक बड़ी भीड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का बदला लेने के लिए बड़े पैमाने पर लूटपाट, आगजनी की थी और सिखों की संपत्तियों को नष्ट किया था।

इस मामले में जसवंत सिंह की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार भीड़ ने घर में घुसकर सिंह और उनके बेटे की हत्या कर दी थी और सामान लूटकर घर को आग के हवाले कर दिया था।

कुमार पर मुकदमा चलाते हुए अदालत ने कहा था कि "प्रथम दृष्टया यह मानने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि वह न केवल एक भागीदार थे, बल्कि उन्होंने भीड़ का नेतृत्व भी किया था।"

संत रविदास ने संसार को एकता, भाईचारा का संदेश दिया–आनन्द कुमार रंजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का संदेश देने वाले महान सन्त रविदास को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। राष्ट्रीय युवा लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य आनन्द कुमार रंजन ने सल्टौआ विकास खण्ड क्षेत्र के जिनवा, बांसापार, संसारपुर, पिपरा जप्ती, हरदिया, रमवापुर, जगतापुर, बढया के साथ ही अनेक स्थानों पर रविदास जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रमों में कहा कि सतगुरु रविदास उन महान संतों में हैं जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से सारे संसार को एकता, भाईचारा का संदेश दिया। उन्होंने जीवन भर समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास किया। उनके संदेशों पर चलकर हम सही दिशा में आगे बढ सकते हैं। समाजसेविका लक्ष्मी रंजन ने कहा कि संत रविदास ने लोगों को कर्म की प्रमुखता और आंतरिक पवित्रता का संदेश दिया।

संत रविदास जयन्ती पर आयोजित विभिन्न कार्यकमों में अनेक स्थानों पर राहुल, लवकुश निषाद, सुमित तिवारी, अखिलेश मिश्र, महेश गुप्ता, रामजी यादव, मो. मुस्तकीम, हरीश चन्द्र सोनकर आदि शामिल रहे।

जयन्ती पर याद किये गये महान सन्त रविदास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महान सन्त रविदास को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर. के. आरतियन के संयोजन में पदाधिकारियों और विभिन्न संगठनों के नेताओं, पदाधिकारियों ने जिला अस्पताल के निकट स्थित संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया।

सामाजिक कार्यकर्ता डा. आर.के. आनन्द ने कहा कि संत रविदास बहुत प्रतिभाशाली थे । उन्होंने विभिन्न प्रकार के दोहों तथा पदों की रचना की। उनकी रचनाओं की विशेषता यह थी कि उनकी रचनाओं में समाज हेतु संदेश होता था। उन्होंने अपनी रचनाओं के द्वारा जातिगत भेदभाव को मिटा कर सामाजिक एकता को बढ़ाने पर बल दिया। बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम, पिछड़ा मोर्चा के मण्डल महासचिव ठाकुर प्रेम नन्दबंशी संत रविदास बहुत दयालु प्रवृत्ति के थे । वह बहुत से लोगों को बिना पैसे लिए जूते दे दिया करते थे। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि संत रविदास दूसरों की सहायता करने में कभी पीछे नहीं हटते थे। साथ ही उन्हें संतों की सेवा करने में भी बहुत आनंद आता था। उनके इस संदेश को जीवन में उतारना चाहिये कि जहां प्रेम नहीं, वहां नरक है. जहां प्रेम है, वहां स्वर्ग है।

सन्त रविदास जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में विनय कुमार, रिफाकत अली, सत्येन्द्र सहाय, आत्मा प्रसाद, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 फरवरी 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

मणिपुर में नया मोड़

भले ही न टाली जा सकने वाली विषम परिस्थितियों के चलते हुआ हो, मणिपुर के विवादित मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने दिल्ली की ऐतिहासिक चुनावी जीत का मजा किरकिरा न होने देने के इरादे से उनका इस्तीफा दिलवाना बेहतर विकल्प समझा। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा के कारण हुई मौतों और विस्थापन पर सार्वजनिक माफी मांगकर खेद जताने के एक माह से कुछ अधिक समय बाद बीरेन सिंह ने आखिरकार अपना पद छोड़ ही दिया। दरअसल, उनका यह अस्त्र काम नहीं आया। विडंबना यह है कि उनकी कथित बातचीत का एक ऑडियो टेप कुछ समय पहले लीक हुआ है। जिसमें टेलीफोन पर हुई वह बातचीत रिकॉर्ड हुई बतायी जाती है, जिसमें जातीय हिंसा भड़काने में उनकी भूमिका उजागर होती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सत्यता प्रमाणित करने के लिये इस टेप को केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला को भेजा गया है। शीर्ष अदालत ने सीलबंद लिफाफे में यह रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। लगता है कि मणिपुर में विपक्षी दलों द्वारा बीरेन सिंह को हटाने की मुहिम में सत्तारूढ़ दल के कुछ विधायकों के शामिल होने की आशंका को भांपते हुए बीरेन सिंह को इस्तीफा देने को कहा गया है। उनके खिलाफ आरोपों की गंभीरता के मद्देनजर इस्तीफे को बचने के एक रास्ते के तौर पर देखा गया है। बहरहाल, राज्य सरकार व पार्टी की छवि को पहले ही काफी नुकसान हो चुका है और यह इस्तीफा बहुत देर से आया है। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा में करीब ढाई सौ लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। लेकिन राज्य सरकार स्थिति को संभालने में विफल रही है। विडंबना यह है कि व्यापक हिंसा व आगजनी के बाद बीरेन को पद से हटाने की मांग को नजरअंदाज किया जाता रहा है। विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को भी सवालों के घेरे में लेता रहा है।

बहरहाल, अब सवाल यह उठता है कि मुख्यमंत्री बदलने से क्या जमीनी हकीकत में बदलाव आ सकेगा? नया नेतृत्व क्या वह इच्छाशक्ति दिखा पाएगा जिससे मैती व कुकी समुदायों के बीच गहरी हुई खाई को पाटा जा सकेगा? निस्संदेह, मणिपुर के लोग न्याय व शांति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में लोगों का भरोसा जीतना केंद्र सरकार की पहली जिम्मेदारी बनती है। ताकि राज्य में शांति व सद्भाव कायम हो सके। वहीं दूसरी ओर बजट सत्र को टालने से राज्य में राष्ट्रपति शासन की आशंका भी जतायी जा रही है। वैसे राज्य में दोनों प्रमुख समुदायों के बीच जिस हद तक अविश्वास हावी है, उसे देखते हुए शीघ्र सुलह—समझौते की उम्मीद कम ही है। यहां तक कि कुकी समुदाय अपने लिये अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग जोर—शोर से उठाता रहा है, तो वहीं मैती समुदाय इस मांग का प्रबल विरोध करता रहा है। बहरहाल, प्राथमिकता राज्य में शांति व्यवस्था स्थापित करने की होनी चाहिए ताकि विस्थापित लोग कानून पर भरोसा करते हुए अपने घरों को लौट सकें। सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा बलों से दोनों समुदायों द्वारा लूटे गए हथियारों की बरामदगी की भी है। यहां तक कि पुलिस व सुरक्षा बलों पर भेदभाव के आरोप भी लगते रहे हैं। निश्चित रूप से राज्य में पुलिस व सुरक्षा बलों को सर्वप्रथम अपनी विश्वसनीयता कायम करनी होगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बीरेन सिंह के बाद सत्ता की बागडोर थामने वाला व्यक्ति किस हद तक स्थितियों को सामान्य बनाने में सक्षम होता है। सवाल यह भी है कि राज्य विधानसभा के लिये एक साल के भीतर होने वाले चुनाव क्या समय पर हो पाते हैं? बहरहाल, राज्य के मौजूदा हालात में निष्पक्ष और संवेदनशील शासन की जरूरत है, जिससे आहत लोगों के जख्मों पर मरहम लगाया जा सके। भले ही बीरेन सिंह ने राजनीतिक मजबूरी में ही इस्तीफा दिया हो, लेकिन शांति की संभावनाओं को इससे संबल जरूर मिलेगा। खासकर उन लोगों को राहत मिलेगी जो पूर्व मुख्यमंत्री पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं।

मिल्कीपुर विजय से भाजपा को राहत और सपा के संकट

—मृत्युजय दीक्षित—

जून 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद सबसे अधिक चर्चा फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में भाजपा की पराजय की हुई, जहाँ श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य राम मंदिर का हिन्दू समाज का 500 वर्ष पुराना सपना पूरा होने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। फैजाबाद जीत से विपक्ष का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया कि इसके बाद हुई अपनी गुजरात रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने, भाजपा के राजनीति से विश्राम ले चुके वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आंदोलन को ही हरा देने का दंभ भरा। लोकसभा में सपा सांसद अवधेश प्रसाद की तो मानो प्रदर्शनी लगा दी गई बड़बोले नेताओं ने उनको अयोध्या का रजा तक कह दिया।

फैजाबाद संसदीय सीट की हार और अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहे जाने से सनातन समाज में दुःख, निराशा और क्षोभ था। मिल्कीपुर को सनातनी हिन्दुओं ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था क्योंकि सनातनधर्मी प्रभु राम को ही अयोध्या का एकमात्र राजा मानते हैं । यहां पर यह बात ध्यान देने योग्य है कि जब से सपा मुखिया और कांग्रेस ने अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहना आरम्भ किया तभी से इनकी राजनीति गड़बड़ाने लगी।अब तक प्रदेश में 11 विधानसभा उपचुनाव हो चुके हैं जिसमें भाजपा को आठ सीटों पर सफलता मिली है और प्रदेश में सपा और कांग्रेस गठबंधन भी बिखर रहा है।

राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव जीतने के लिए बेहद आक्रामक रणनीति तैयार की और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार मिल्कीपुर का दौरा किया। जब योगी जी मिल्कीपुर जाते थे तब सपा सांसद का बयान आता था कि योगी जी जितनी बार मिल्कीपुर आयेंगे भाजपा का वोट प्रतिशत उतना ही घटेगा और सपा का उतना ही वोट प्रतिशत बढ़ता जायेगा जबकि परिणाम उसके विपरीत आये हैं। मिल्कीपुर की जनता के बता दिया है कि अयोध्या के एकमात्र राजा प्रभु राम ही है।

मिल्कीपुर की जनता ने विपक्ष के नकारात्मक विचारों के एजेंडे को नकारते हुए विकास और सुशासन का साथ दिया। मिल्कीपर की जनता को अच्छी तरह से समझ में आ गया कि स्थानीय विकास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का विधायक ही आवश्यक है। मिल्कीपुर की जनता ने सपा के परिवारवाद और जातिवाद को नकार दिया है। परिणाम से यह भी साफ हो गया है कि योगी का बटेंगे तो कटेंगे का नारा जातिवाद के विरुद्ध हिंदुत्व की राजनीति को ताकत दे रहा है। इस विजय से भाजपा के लिए एकजुट हिंदुत्व की राजनीति के पथ पर आगे बढ़ना आसान हो गया है।

मिल्कीपुर सीट पर भाजपा को तीसरी बार जीत मिली है ।इससे पहले 1991 और 2017 में जीत मिली और अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने सपा के गढ़ में भगवा परचम लहराने में सफलता हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का गठन 1967 में हुआ था और 1969 में तत्कालीन जनसंघ हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया।1991 में राम लहर में मथुरा प्रसाद तिवारी ने भाजपा से जीत दर्ज की फिर 2012 तक यहां पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2017 में मोदी लहर में भाजपा के बाबा गोरखनाथ विजयी रहे। यह अलग बात है कि इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने बाबा को पराजित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवाबर बनाया था और वह जीत गये। तभी से भाजपा पर लगातार दबाव बनता जा रहा था कि किसी न सिकी प्रकार से यह सीट हर हाल में जीतकर दिखानी है और योगी जी की टीम ने यह काम कर दिखाया है।

मिल्कीपुर चुनाव से पूर्व प्रयागराज महाकुम्भ— 2025 में योगी कैबिनेट ने एक साथ गंगा में पवित्र डुबकी लगाकर मीडिया जगत और जनमानस में इस बात का संदेह पूरी तरह से दूर कर दिया कि योगी कैबिनेट व भाजपा में आपस में कोई मतभेद व मनभेद है। मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा भदरसा दुष्कर्म कांड के बहाने सपा पर हमलावर रही। चुनावों के बीच ही वहां पर एक बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का एक मामला सामने आया उसके बाद विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरने का असफल प्रयास किया। इस घटना को लेकर सभी दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट करके राजनीतिक तापमान को गरमाने का असफल प्रयास किया था किंतु आरोपियों के पकड़े जाते ही यह मामला अपने आप गायब हो गया। इस प्रकरण में अवधेश प्रसाद के आंसू भी निकले और खूब निकले यहां तक की मीडिया में बार—बार दिखाया भी गया, मतदान के दिन अवधेश प्रसाद ने एक वीडियो बनवाकर चलवाया जिसमें वह हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे, किन्तु ऐसी कोई भी ट्रिक इस चुनाव में नहीं चली। मिल्कीपुर की जनता ने इस बार लोकसभा की गलती को ठीक करने का मन बना लिया था।

मिल्कीपुर में अबकी बार संघ ने भी काम संभाला और मजबूत किलेबंदी के साथ हर बूथ पर संघ के पदाधिकारी मोर्चा पर डटे रहे। इसका असर मतदान के दिन दिखा भी। संघ ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में पर्याप्त श्रम किया। मिल्कीपुर जीत से भाजपा का विश्वास बढ़ा है, योगी जी की प्रतिष्ठा बढ़ी है और उनके नारे की लोकप्रियता भी बढ़ रही है। महाकुंभ— 2025 के समापन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री येगी आदित्यनाथ जी का एक नया अवतार देखने को मिल सकता है। हिंदुत्व की राजनीति में काशी, मथुरा के साथ संभल का अध्याय भी जुड़ चुका है।

मणिपुर मुख्यमंत्री के त्यागपत्र की विवशता

— निर्मल रानी—

8 फरवरी को जब दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित हो रहे थे और भाजपा के साथ ही देश का मीडिया भी भाजपा की जीत के कसीदे बांचने में लगा था। देश को यह बताया जा रहा था कि दिल्ली से श्आपश दा जा चुकी है। ठीक उसी समय भाजपा हाईकमान द्वारा निर्देशित भाजपा की मणिपुर की सबसे श्आपदा ग्रस्त श डबल इंजन सरकार के मुख्यमंत्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह को त्यागपत्र देने हेतु निर्देशित किया जा चुका था । जिसे दिल्ली जीत के जश्न से ठीक अगले दिन यानी 9 फरवरी को अमल में लाया गया। पिछले छह महीनों से मैतेई, कुकी और नागा विधायक एक साथ मिलकर मुख्यमंत्री बीरेन को पद से हटाने के लिए केंद्रीय नेताओं से बात कर रहे थे। खबरों के अनुसार गत 3 फरवरी को ही मणिपुर के 33 विधायकों ने, जिनमें 19 विधायक भाजपा के भी बताये जा रहे हैं,दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री व गृह मंत्री से मिलकर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की जानकारी दे दी थी। बल्कि यह भी बता दिया था कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्तव आने की स्थिति में भाजपा विधायक भी अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान कर सकते हैं। इसीलिये भाजपा नेतृत्व को भारतीय राजनीति के इतिहास के सबसे अकुशल,असफल व अकर्मण्य व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद से हटाना पड़ा। हाँ मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के त्याग पात्र के बावजूद यह सवाल हमेशा बना रहेगा कि इतनी व्यापक व दीर्घकालिक अनियंत्रित हिंसा होने के बावजूद आखिर भाजपा नेतृत्व ने किन परिस्थितियों में उन्हें मुख्यमंत्री पद से पहले क्यों नहीं हटाया ? इतना ही नहीं बल्कि बीरेन सिंह पर जातीय हिंसा के दौरान पक्षपात करने का भी आरोप है। बीरेन सिंह स्वयं मैतेई समुदाय से आते हैं। कुकी जनजाति के एक व्यक्ति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर यह आरोप लगाया गया था कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राज्य में हिंसा भड़काई है। याचिकाकर्ता ने इससे सम्बंधित एक ऑडियो टेप भी अदालत में सबूत के तौर पर जमा कराया है। प्रयोगशाला श्ट्रुथ लैब्सश ने इस बात की पुष्टि भी की है कि इस ऑडियो टेप में 93 प्रतिशत आवाज बीरेन सिंह की आवाज से मेल खाती है। गोया बीरेन सिंह 'राजधर्म का पालन' न करने के भी खुले दोषी हैं।

इतिहास इस बात का साक्षी रहेगा कि बावजूद इसके कि देश के और भी कई राज्य समय समय पर किसी न किसी मुहिम या आंदोलन वश हिंसा,अशांति व अव्यवस्था के शिकार रहे हैं। परन्तु भाजपा शासित इस राज्य में 3 मई 2023 से मैतेयी व कुकी समुदायों के बीच छिड़े जातीय हिंसक संघर्ष में जिस स्तर की हिंसा व अशांति देखनी पड़ी उसकी दूसरी मिसाल देश में कहीं भी देखने को नहीं मिलती। हिंसा,आगजनी,बलात्कार,सामूहिक बलात्कार यहाँ तक कि हिंसक भीड़ द्वारा युवतियों की नग्न परेड कराने जैसी शर्मनाक घटनाएं घटीं। मंत्रियों,विधायकों व अन्य नेताओं के घरों को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस थाने आग की भेंट चढ़े,यहाँ तक कि शस्त्रागार के हथियार तक उपद्रवी छीन ले गये। सैकड़ों लोग इस संघर्ष में मारे गये जबकि हजारों लोग विस्थापित भी हुये। परन्तु मणिपुर का श्डबल इंजन श मूक दर्शक बना रहा। कानून व्यवस्था की यह स्थिति राज्य में उस समय पैदा हुई थी जबकि मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में एन डी ए के पास 52 सीटें हैं जिसमें अकेली भाजपा के पास 37 सीटें हैं। राज्य सरकार के लिये इससे बेहतर बहुमत और क्या हो सकता था ?

बहरहाल मई 2023 से लेकर अभी तक जारी हिंसा के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गाँधी जहां तीन बार मणिपुर का दौरा कर हिंसा पीड़ितों के बीच जाकर वहां के लोगों से मिलकर हालात का जायजा ले चुके हैं वहीँ प्रधानमंत्री ने अभी तक एक बार भी हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा करना मुनासिब नहीं समझा। हद तो यह है कि राहुल गाँधी व विपक्ष के तमाम प्रयासों के बावजूद सदन में मणिपुर पर चर्चा को भी टालने की कोशिशें हुईं। सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा मणिपुर की शर्मनाक घटनाओं को कांग्रेस शासित राज्यों से जोड़कर मणिपुर घटनाओं पर लीपापोती करने की कोशिश की गयी। निःसंदेह राहुल गाँधी देश के अकेले ऐसे नेता हैं जो लगातार मणिपुर हिंसा के विषय को उठाते रहे हैं । और भाजपा पर यह दबाव इतना बढ़ा कि मणिपुर विधानसभा में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव आने से पहले ही पार्टी ने आखिरकार उनसे त्याग पत्र ले ही लिया।

बीरेन सिंह के त्यागपत्र के बाद मणिपुर में भाजपा के लिये राजनैतिक संकट खड़ा होना तो निश्चित है ही साथ ही अब यह भी प्रमाणित हो चुका है कि बीरेन सिंह पूरी तरह से मणिपुर हिंसा को नियंत्रित कर पाने में असफल रहे हैं। अन्यथा क्या कारण था कि 3 मई 2023 से लेकर अब तक हिंसा पर पूर्ण नियंत्रण हासिल नहीं किया जा सका ? इसी दीर्घकालिक हिंसा के कारण भाजपा के ही अधिकांश विधायक बीरेन नेतृत्व के विरुद्ध होते जा रहे थे। और मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी भाजपा विधायकों द्वारा ही की जा रही थी। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना थी कि कहीं मणिपुर बीजेपी के हाथ से निकल न जाये। क्योंकि राज्य में हिंसा की भेंट चढ़े लंबा समय बीत चुका है और समाधान के नाम पर कुछ भी सामने नजर नहीं आ रहा। ऐसे में प्रदेश बीजेपी के अंदर ही काफी मतभेद शुरू हो गए थे.ष्बीजेपी के लोग ही मुख्यमंत्री बदलने की मांग कर रहे थे। आगामी 10 फरवरी से विधानसभा सत्र शुरू होते ही मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी पूरी हो चुकी थी। इसीलिये भाजपा नेतृत्व द्वारा दिल्ली चुनाव परिणाम के जश्न के बीच ही बीरेन सिंह से त्यागपत्र लेने का फैसला किया गया।

देखना होगा कि बंगाल सहित अन्य गैर भाजपा शासित राज्यों को 'जंगल राज ' व 'आपदा ग्रस्त' सरकार बताने वाली भाजपा, मणिपुर में महा 'आपदा' के रूप में विराजमान रहे मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को हटाने के बाद जातीय हिंसा में सुलगते मणिपुर के लोगों को भयमुक्त करने व उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिये क्या कदम उठती है। और देश की इस बात पर भी नजर रहेगी कि मणिपुर में 'डबल इंजन' की सरकार के बुरी तरह से फेल होने का प्रभाव भविष्य में पूर्वोत्तर की भाजपा की राजनीति पर क्या पड़ेगा।

सम्बन्धों में अश्लीलता घोलता सोशल मीडिया

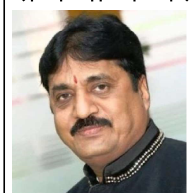

—ललित गर्ग—

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माता.पिता की गरिमा को आहत करने वाली अश्लील, अपमानजनक एवं विवादास्पद टिप्पणी करते हुए भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को धुंधलाने का घिनौना एवं अक्षम्य अपराध किया है। भले ही इस टिप्पणी के लिए माफी मांगी गयी हो, लेकिन रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गाट लैटेंट में एक प्रतियोगी से उसके माता.पिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए यह आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसको लेकर विवाद भड़क गया, लोगों के गहरा आक्रोश है। सामाजिककर्मियों के साथ.साथ विभिन्न दलों के राजनेता ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी सक्रिय हुआ है। इस शो में माता.पिता, महिलाओं और उनके शरीर के बारे में अभद्र एवं अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। इसलिये रियलिटी कामेडी शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर मुंबई पुलिस के साथ.साथ देश में अन्य स्थानों पर शिकायत दर्ज कराई गयी है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह रणवीर की थू थू हो रही है। हर कोई उनके खिलाफ आवाज उठा रहा है और जेल भेजने की मांग कर रहा है।

तथाकथित रणवीर इलाहाबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक फालोअर, इंस्टाग्राम पर 45 लाख से अधिक फालोअर और यूट्यूब चौनल पर 1.05 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। इलाहाबादिया उन ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में से एक हैं, जो ऐसे अश्लील एवं संस्कृति.विरोधी प्रदर्शन से करोड़ों रुपये भी कमाते है, जिन्हें पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार मिला था। पिछले दिनों उन्होंने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कई कैबिनेट मंत्रियों का साक्षात्कार लिया था। इसके अलावा साल 2022 में उनका नाम फोर्ब्स अंडर 30 एशिया लिस्ट में भी आया था। 22 साल की उम्र में रणवीर ने अपना पहला यूट्यूब चौनल शुरू किया था, आज वह सात चौनलों को चला रहे हैं। पाकिस्तान से भारत आये रणवीर इलाहाबादिया का पूरा नाम रणवीर सिंह अरोड़ा है। लेकिन लोग उन्हें रणवीर इलाहाबादिया के नाम से जानते हैं। माता.पिता पर विवादित कमेंट करने से पहले रणवीर इलाहाबादिया कई बार सोशल मीडिया पर बवाल मचा चुके हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके विवादास्पद बयानों की वजह से उन्हें एक बार जिम से भी बैन किया गया था। इतना ही नहीं, वो लड़कियों के कपड़ों पर भी विवादित कमेंट करने की वजह से हेडलाइन्स बटोर चुके हैं। लेकिन ऐसे विकृत सोच रखने वाले लोगों को ऐसे बड़े सम्मान मिलना भी अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है। क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का बेहूदा, आपत्तिजनक एवं अमर्यादित उपयोग है, यह रचनात्मकता नहीं है, यह विकृति है और ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो यह स्थित भी है जिसमें इस खराब टिप्पणी को जिस तरह आम लोगों की जोरदार तालियां मिलीं। प्रश्न है कि आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? क्यों हम अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को घूमिल कर रहे हैं।

नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नग्नता, अश्लीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्लील दृश्यों की भरमार हो रही है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म से होने वाली कमाई एक बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामान्य व्यक्ति के द्वारा अपना अकाउंट बनाकर ऐसा भी कंटेट अपलोड किया जा सकता है जिसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की कोई रोट टोक एवं पाबंदी नहीं है। इस प्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। समाज में पैसे का लोभ दिखाकर अश्लील शार्ट फिल्म और वेब सीरीज का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है। मोबाइल एप्स और ओटीटी वेब पोर्टल पर अश्लील एवं संस्कृति विरोधी कंटेंट निर्बाध रूप से होना सरकार की बड़ी नाकामी है। यही कारण है कि ऐसे सभी प्रकार के मोबाइल एप्स और वेब पोर्टल पर भी सरकारी नियंत्रण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

तकनीक के माध्यम से भारतीय युवा एवं किशोर पीढ़ी को अपने जीवन के प्रारंभ के समय से ही कामवासना के जाल में फंसाकर उनके जीवन को गौण बनाने एवं धुंधलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। युवा शक्ति राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। नैतिक मूल्यों के बिना ज्ञान न केवल बेकार हैं, बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हैं। यही कारण है कि हमारी युवापीढ़ी बड़ी दुविधा में हैय उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिग्भ्रमित किया जाता है, जिससे वर्तमान भारतीय समाज न केवल प्रभावित होता है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऐसे अनेक प्रकार के अश्लील कंटेंट देखे जा सकते हैं जिसमें अश्लीलता के माध्यम से भारतीय परिवार व्यवस्था को नष्ट करने का काम भी षडयंत्रपूर्वक किया जा रहा है। जिसकी चर्चा समाज के भीतर प्रबुद्ध लोगों को करने की आवश्यकता है ताकि समय पर जागरूकता के साथ समाज और परिवार को गर्त में जाने से रोका जा सकता है।

दरअसल, साल 2021 में रणवीर इलाहाबादिया ने महिलाओं के कपड़ों पर सेक्सिएस्ट कमेंट किया था, जिसकी वजह से उस समय भी सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया था। इस दौरान उन्हें लोगों ने बुरी तरह से ट्रोल किया था। उन्होंने एक ट्वीट करते हुए लिखा था कि कुर्ती पहनने वाली महिलाएं, पुरुषों को घुटने टेकने पर मजबूर कर देती हैं। रणवीर की इस पोस्ट के कारण उन्हें महिलाओं का भारी विरोध झेलना पड़ा। बावजूद इसके वे नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों में लगातार संलग्न रहे हैं। जो व्यक्ति सनातन धर्म और आध्यात्मिकता की बात करता है और बड़ी हस्तियों को अपने शो में बुलाता है, वह ऐसी विकृत मानसिकता कैसे रख सकता है?

सीतापुर में हुए सड़क हादसे में ससुर–दामाद की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

संवाददाता–बहराइच। जिले के रुपइडीहा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत लखहिया निवासी ओम प्रकाश उर्फ टिंकू (25) पुत्र सुरेंद्र अपनी पत्नी सुमन देवी और ससुर बेचई लाल के साथ अपनी मोटरसाइकिल से गोंडा दवाई लेने गए थे। वापसी के दौरान, जब वे आर्यनगर और विशेष्वरगंज के बीच खरगूपुर थाना क्षेत्र से गुजर रहे थे, तो किसी तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

इस दर्दनाक हादसे में ओम प्रकाश (टिंकू) और उनके ससुर बेचई लाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी सुमन देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल सुमन देवी को पहले गोंडा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसके बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए बहराइच जिले के केडिया हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ओम प्रकाश अपने माता–पिता की तीसरी संतान थे और उनके दो भाई व दो बहनें हैं। वहीं, मृतक बेचई लाल (45) पुत्र शंभू निवासी बसाऊ गाँव, थाना नवाबगंज अपने पीछे तीन बेटे और दो बेटियां छोड़ गए हैं। इस घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजन इस हादसे से पूरी तरह टूट चुके हैं। इस दर्दनाक हादसे से दोनों परिवारों और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

मारपीट में घायल बरवा उपाध्याय के तारकेश्वर गुप्ता की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले खुखुंदू थाना क्षेत्र के बरवा उपाध्याय में मारपीट में घायल तारकेश्वर गुप्ता की उपचार के दौरान लखनऊ के एक प्राइवेट अस्पताल में बुधवार की सुबह मौत हो गई। एक दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें पीजीआई में शिफ्ट कराने का आदेश दिया था। अधेड़ की मौत की सूचना घर आते ही परिवार में मातम छा गया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो चुकी है। बरवा उपाध्याय में 6 फरवरी की रात बाइक तेज चलाने को लेकर हुए विवाद में दिनेश गुप्ता की पीट–पीट कर हत्या कर दी गई थी, जबकि तारकेश्वर गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गये थे। मंगलवार को व्यापारी नेता संपूर्णानंद गुप्ता के नेतृत्व में दिनेश गुप्ता के बेटे सचिन, घायल तारकेश्वर गुप्ता के बेटे आदित्य के साथ ही साहू समाज के नेता रमाशंकर साहू मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने घायलों का हाल जाना। साथ ही तारकेश्वर गुप्ता को प्राइवेट अस्पताल से निकाल कर पीजीआई में शिफ्ट कराने का आदेश दिया था। आज तारकेश्वर गुप्ता को पीजीआई शिफ्ट करने की तैयारी चल रही थी, इस बीच उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना घर आते ही परिवार में मातम छा गया। उधर आरोपियों की गिरफ्तारी को पुलिस की दबिश तेज हो गई है। हत्यारोपी विशाल यादव का पासपोर्ट देवरिया पुलिस के प्रयास से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही बैंक खाता भी फ्रीज कर दिया गया। फरार आरोपी का लुक आउट सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। उधर तीन नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी समेत तीन टीमों को जिम्मेदारी दी गई है और उनका फोटो भी जारी कर दिया गया है।

परिजनों के साथ दफनाया गया सेना के जवान का शव, राजकीय सम्मान के साथ दी विदाई

संवाददाता–बहराइच। सड़क हादसे में मृत हुए मटेरा निवासी सेना के जवान अबरार को बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम यात्रा में राजपूताना रेजिमेंट के जवान समेत जिले के आला अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान गार्ड ऑफ ऑनर देकर सेना के जवान और उनके परिजनों को दफन किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

मटेरा थाना क्षेत्र के मटेरा चौराहा निवासी अबरार सेना में जवान थे और राजस्थान के उदयपुर में तैनात थे। मंगलवार की सुबह गुलाम हजरत (60) और बेटी हानिया (20 दिन) के इलाज के लिए कार से कमांड हॉस्पिटल लखनऊ जा रहे थे। इस दौरान कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में उनकी कार में डंपर ने टक्कर मार दी थी। हादसे में फौजी अबरार के साथ–साथ उनके पिता गुलाम हजरत, बेटी हानिया, मां फातिमा बेगम (56) और दोस्त चांद की मौत हो गई थी। वहीं पत्नी रुकैया बेगम (22) गंभीर रूप से घायल हो गई, जिनका इलाज जारी है। फौजी अबरार की मौत के बाद मंगलवार की रात पोस्टमार्टम के बाद उनका और उनके परिजनों का शव मटेरा पहुंचा तो पूरे कस्बे में कोहराम मच गया। बुधवार की सुबह जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रिटायर्ड कर्नल महेंद्र चंद्र ध्यानी, एसडीएम अंजनी यादव, सीओ प्रद्युम्न सिंह मृतक फौजी के घर मटेरा पहुंचे। वहीं फैजाबाद राजपूत रेजिमेंट के जवानो की टीम पहुंची। इस दौरान ट्रक सजा कर फौजी की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की भीड़ उमड़ी।

जवानों ने मृतक फौजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जवान के शव के साथ–साथ उनके परिजनों के शव भी कब्रिस्तान में सुपुर्द–ए–खाक किए गए

दिल्ली से रुपईडीहा पहुंची भारत- नेपाल मैत्री बस सेवा में मृत मिला यात्री

संवाददाता–बहराइच। भारत से नेपाल जाने वाली मैत्री बस सेवा में आज एक यात्री का मृत अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतक के पास से मिले मोबाइल नंबर पर बात किया तो फोन उसके बेटे ने उठाया। इसके बाद पुलिस को उसने पूरी बात बताई। दिल्ली से चलकर बहराइच के रुपईडीहा पहुंची भारत नेपाल मैत्री बस सेवा में बुधवार को एक यात्री मृत अवस्था में पाया गया। यह बस सेवा दिल्ली से नेपाल के डांग जिले तक चलती है। आज सुबह जैसे ही बस रुपईडीहा कस्बा में पहुंची सभी यात्री उतरकर अपने गंतव्य की तरफ रवाना हो गए। वही नेपाल देश के डांग जिले का रहने वाला यात्री मंगल बहादुर घरती उर्फ लोक बहादुर घरती (48) पुत्र नीगा राम मृत हालत में मिला। बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची रुपईडीहा पुलिस ने बारीकी से जांच पड़ताल किया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक दद्दन सिंह ने बताया कि ग्रामीण के पास मिले मोबाइल नंबर पर बात की गई तो मृतक के लड़के श्याम घरती ने बताया कि वह पिता के साथ गुड़गांव छतरपुर में रह रहा था। पिता काफी बीमार थे। इलाज के बाद भी सुधार न होने पर घर भेजा था। रास्ते में शायद मौत हो गई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आधी रात को शराब पीने के लिए दोस्त से मांगा गिलास, मना किया तो मार दी गोली

संवाददाता–महराजगंज। मंगलवार की आधी रात शराब पीने के लिए गिलास और पानी मांगने से मना करने पर बौखलाए शख्स ने अपने दोस्ध्त को को गोली मार दी। इस घटना में युवक घायल हो गया। इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर 12 घंटे के भीतर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के महुआ–महुई गांव की है। आरोपित युवक अजीत सिंह (उम्र 29 वर्ष) श्यामदेउरवा थाना के परसिया इंदरपुर गांव का रहने वाला है। मंगलवार की रात वह क्षेत्र के ही महुआ महुई गांव में अपने परिचित महेंद्र गौड़ के घर पहुंचा। दरवाजा खटखटाया। फाटक खुलने पर बोला कि शराब पीनी है। उसे गिलास व पानी चाहिए। दोस्त बोला कि आधी रात हो गई है। शराब पीना है तो घर जाकर आराम से पियो। इसी बात को कहासुनी के बाद धक्का–मुक्की शुरू हो गई। आरोपित ने युवक को धक्का मार दिया, जिससे वह गिर गया। आरोप है कि वहां से तिलमिला कर घर गया और वहां से तमंचा लेकर आया। दोस्त को गोली मार दी। बांह में गोली लगने से वह घायल हो गया।

गोली मारने वाले आरोपित अजीत सिंह के खिलाफ गोरखपुर जिला के पिपराइच, गुलहरिया व महराजगंज जिले के श्यामदेउरवा थाना में लूट, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज है। श्यामदेउरवा पुलिस उसके खिलाफ यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई कर चुकी है। श्यामदेउरवा थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में कतरारी चौकी इंचार्ज राम रतन यादव, एसआई अंकित श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल लक्ष्मीकांत तिवारी, कांस्टेबल अनुराग यादव, भीमल यादव, इस्तेयाक अंसारी की टीम ने विद्युत उपकेंद्र भटहट के पीछे जाने वाली नहर के पास से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि घायल युवक की बहन की तहरीर पर आरोपित अजीत सिंह के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उसके पास से तमंचा, कारतूस, स्कूटी बरामद किया गया है। केस दर्ज करने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भिनगा में पकड़ा गया नकली तार, कंपनी के अधिकारी ने सीज किया

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती। सूर्या कंपनी के अधिकारियों ने बुधवार दोपहर को भिनगा के टंड़वा रजानगर भिनगा में एक दुकान पर छापेमारी की। जिसमें नकली तार बरामद किया गया। तार नकली था लेकिन तार की पैकेजिंग पर कंपनी का असली नाम लिखा था। यह छापेमारी दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट के वाणिज्यिक न्यायाधीश की ओर से पारित आदेश के तहत नियुक्त लोकल कमिशनर अमित कुमार संग सूर्या रोशनी लिमिटेड के अधिवक्ता रोहन रुद्राक्ष ने छापेमारी की। इस दौरान कोतवाली भिनगा के कोतवाल भानु प्रताप सिंह मौजूद रहे। छापेमारी के दौरान भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। जिसके कारण दुकानदार मौके से फरार हो गया। जब्त किए गए नकली सूर्या बिजली तार को सूर्या रोशनी लिमिटेड की कस्टडी में ले लिया गया है।

मंदिर से मां लक्ष्मी की मूर्ति उठा कर किया खंडित, मामले में जांच कर रही पुलिस

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के देवरा के मजरा कुर्मिन देवरा स्थित दुदधाधारी महराज मंदिर के गल स्थित कोटहिन माता स्थान से बुधवार भोर लक्ष्मी जी की मूर्ति नदारद मिली। तलाश के दौरान मूर्ति आम के बाग के पास खंडित अवस्था में मिली। पुजारी की सूचना पर पहुंची गिरंट पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के ग्राम देवरा के मजरा कुर्मिन देवरा स्थित दुदधाधारी महाराज बाबा मंदिर स्थित है। मंदिर के बगल में ही कोटहिन माता स्थान है। जहां लक्ष्मी जी की मूर्ति स्थापित थी। दुदधाधारी मंदिर के पुजारी बाबा बैजनाथ बुधवार भोर जब पूजा करने पहुंचे तो देखा कि लक्ष्मी जी मूर्ति नदारद थी। काफी खोजबीन के बाद मूर्ति गांव निवासी आशाराम के आम के बाग में पेड़ पास रखी मिली जो खंडित थी। इसकी सूचना पुजारी ने ग्रामीणों को दिया। देखते ही देखते मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। उन्होंने इसकी जानकारी हरदत्त नगर गिरंट पुलिस को दी। सूचना पर सीओ संतोष कुमार व नायब तहसीलदार अमरीश के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय ने मौका मुआयना किया। वहीं, पुजारी की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है। पुलिस ने मूर्ति को मंदिर में सुरक्षित कराया है।

डीएम ने दिए मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने के निर्देश

संवाददाता–गोण्डा। नगर पंचायत धानेपुर का नागरिक संगम कार्यक्रम बुधवार को मुजेहना ब्लॉक परिसर में आयोजित किया गया। डीएम नेहा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। डीएम ने लोगों से संवाद कर समस्याएं जानी और उनके निराकरण का संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया। कार्यक्रम में जिले के अधिकांश विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। डीएम नेहा शर्मा ने कहा कि आम जनमानस की समस्याओं का समाधान और समस्याओं का निराकरण करने के लिए प्रशासन आपके ही घर के समीप पहुंच रहा है। कहा कि सभी जगह प्रधानमन्त्री आवास के लिए अधिक आवेदन आ रहे हैं जिसका सर्वे कराया जा रहा है। अधिकतम पात्रों को लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा। कोशिश होगा हर पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ मिले। साथ ही जिन्होंने अपात्र होने के बावजूद भी लाभ ले लिया उन पर कार्रवाई भी होगी। बनकटी सूर्यबली सिंह संतराम ने अपने लड़के मृत्यु प्रमाण पत्र पाने की समस्या रखी जबकि बेलहरी के संकटा प्रसाद पाण्डेय ने परिवार रजिस्टर में नाम जोड़ने, समाचार पत्र वितरण मणिकांत कौशल ने आवास न होने अपनी समस्या रखी थी। राजेन्द्र द्विवेदी ने निजी विद्यालय की ढही बाउंड्री वॉल में कुछ लोगों के बेवजह हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए समस्या के निदान की मांग की है। इसके अलावा भी तमाम लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है जिस पर डीएम ने निस्तारण का भरोसा दिलाया है। डीएम ने दिए मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि धानेपुर को आदर्श नगर पंचायत का पूरा स्वरूप आपके सामने होगा। उन्होंने कहा कि आप लोग भी साफ सफाई में पूरा सहयोग करें। डीएम ने नगर पंचायत के राम–जानकी वार्ड का निरीक्षण कर जायजा लिया और साफ–सफाई बनाये रखने में सहयोग करने का मोहल्ले के लोगों से अपील की है। साथ ही बेवजह कचरा फैलाने वाले लोगों पर जुर्माना लगाये जाने के लिए ईओ को निर्देशित किया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी,डीएसओ, दिव्यांग जन अधिकारी ने अपने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। नगर पंचायत अध्यक्ष उमा देवी वर्मा, प्रतिनिधि मंशाराम वर्मा व रक्षा राम वर्मा, विनोद सिंह, मुनीन्द्र शर्मा, आरआई अशोक कुमार शुक्ला, हितेश तिवारी सहित तमाम लोग रहे।

आभा आईडी और स्क्रीनिंग में पीछे चल रहीं 16 एएनएम को चेतावनी

संवाददाता–महराजगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सदर सभागार में समीक्षा बैठक हुई। इसमें आठ एएनएम आभा आईडी और आठ एएनएम मरीजों की स्क्रीनिंग में लक्ष्य से काफी पीछे मिली। एचईओ ने कहा कि लक्ष्य पूरा करने के लिए शनिवार तक समय निर्धारित किया गया है। निर्धारित दिन के बाद लक्ष्य पूरा नही करने वाली एएनएम के खिलाफ कार्रवाई तय है।

एचईओ श्रीभागवत सिंह ने कहा कि दस फरवरी को एक से इंटर तक के विद्यार्थियों को एलबेंडाजोल की खुराक दी गई। लेकिन स्कूल नहीं जाने वाले विद्यार्थी खुराक लेने से वंचित हो गए हैं। एएनएम अपने–अपने क्षेत्र के विद्यालयों पर पहुंचकर एलबेंडाजोल की खुराक नहीं लेने वाले विद्यार्थियों की सूची बनाएं। 14 फरवरी को सूची के हिसाब से इन विद्यार्थियों को खुराक देने का कार्य करें।

उन्होंने कहा कि एएनएम सूची के हिसाब से गर्भवती महिलाओं और बच्चों का टीकाकरण करें। एएनएम, सीएचओ और आशा आपस में समन्वयव स्थापित कर पात्र व्यक्तियों का प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने का कार्य करें। बैठक में यूनिसेफ की बीएमसी रिमझीम, पूजा और पवन पटेल के अलावा सीएचसी सदर क्षेत्र की एएनएम और आशा शामिल रहीं।

मानवता व प्रेम का प्रतीक संत रविदास का जीवन -विनोद पटेल

संवाददाता–बहराइच। जिले भर में बुधवार को संत रविदास जयन्ती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। चित्र पर माल्यार्पण कर उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उनके बताए मार्ग पर चलने का सभी लोगों ने संकल्प भी लिया। कहा कि उनका जीवन मानवता व प्रेम का प्रतीक है। भाईचारे के साथ रहने की सीख भी देता है। फखरपुर कस्बे में स्थित पं. रामनरेश इण्टर कालेज परिसर में दलित चेतना सम्मेलन एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि सदस्य, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग,विनोद कुमार पटेल व विशिष्ट अतिथि विधानसभा कैसरगंज के संयोजक गौरव वर्मा, आरएसएस के विभागीय कार्यवाह अम्बिका प्रसाद, मण्डल अध्यक्ष फखरपुर अभिषेक शुक्ला, नायब तहसीलदार सचिन कुमार श्रीवास्तव रहे।

मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर संत रविदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, बुधराम केवट, प्रदीप पाण्डेय, अभिषेक अवस्थी, पेशकार यादव, श्याम जी त्रिपाठी, अभिषेक शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, ललित पाठक मौजूद रहे। सपा की ओर से चमारनपुरवा में चौपाल लगाकर संत रविदास की जयंती मनाई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने सन्त रविदास एवं भारतरत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यर्पण कर उन्हें याद किया। सन्त रविदास के जीवन पर प्रकाश संग पीडीए पर्चा वितरित कर जनसंवाद किया गया।

भिनगा में मनाई गई संत रविदास जयंती

संवाददाता–श्रावस्ती। भिनगा मुख्यालय पर ईदगाह तिराहे के निकट डा भीमराव आम्बेडकर जनचेतना समिति की ओर से संत रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई स कार्यक्रम की शुरुआत पंचशील प्रार्थना से हुई स कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने संत शिरोमणि रविदास के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए अंधविश्वास और आडंबर से दूर रहते हुए अपने कर्म पर विश्वास करने को कहा स वक्ता लालजी वर्मा ने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा के कहावत को चरितार्थ करते हुए हमें अपना जीवन धन्य बनाए रखना चाहिए। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष इरफान अहमद, आनंद बाल्मीकि, डॉ शेषराम बौद्ध, आशुतोष आजाद, बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, कृष्ण कुमार गौतम, संत कुमार बौद्ध, दीपक कुमार गौतम, विजयपाल गौतम आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन हाकिम सिंह ने किया।

परीक्षा केन्द्रों पर पहुंच गईं 70 फीसदी उत्तर पुस्तिकाएं

संवाददाता–महराजगंज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। उत्तर पुस्तिकाओं का केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गया है। अब तक करीब 70 फीसदी तक उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षा केंद्रों पर पहुंच चुकी हैं। बोर्ड की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू हो रही हैं।

जिले में परीक्षा 111 केंद्रों पर होगी। इन केंद्रों पर हाई स्कूल के 39924 परीक्षार्थी व इंटरमीडिएट के 34744 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षा केंद्रों पर भेजी जा रही हैं। जिले में हाई स्कूल की दो लाख एक हजार हजार 341 ए उत्तर पुस्तिकाएं व 80 हजार 538 बी कापियां तथा इंटरमीडिएट की एक लाख 65 हजार 323 ए कापियां व 49600 वी कापियां जिल में आयी हैं। उत्तर पुस्तिकाओं को राजकीय कन्या इंटर कालेज धनेवा के स्ट्रांग रूम में रखा गया था, जहां से इन उत्तर पुस्तिकाओं को परीक्षा केंद्रों पर भेजा जा रहा है। सभी केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं पहुंच जाएंगी। परीक्षा में गड़बड्डी को रोकने के लिए जिस परीक्षाथी की जिस क्रमांक की उत्तर पुस्तिका दी जाएगी, उसका विवरण परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षित रखा जाएगा। परीक्षा के दौरान सचल दल को दिखाया जाएगा और हस्ताक्षर कराया जाएगा। परीक्षा समाप्त होने के बाद इसका लेखा जोखा क्षेत्रीय कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा।

परीक्षा समाप्त होने के बाद जितनी भी उत्तर पुस्तिकाएं बचेंगी उसका पूरा लेखा जोखा बनाया जाएगा। उसे प्रमाणित करते हुए परिषद कार्यालय को भेजा जाएगा।

पुलिस को छका रहे हत्यारोपी बाप–बेटे, नहीं लग रहे हैं हाथ

संवाददाता–गोण्डा। दिनदहाड़े अपने पड़ोसी दुकानदार को छूरा मारकर मौत के घाट उतारने के बाद फरार बाप–बेटे तक पुलिस पहुंच नहीं पा रही है। पुलिस की पांच टीमें लगातार दोनों आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दे रहीं हैं लेकिन दोनों हाथ नहीं लग रहे हैं। लगातार छका रहे बाप–बेटे का सुराग लगाने में पुलिस की टीमें हांफ रही हैं। हालांकि, पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बीते सोमवार सुबह नगर कोतवाली क्षेत्र के गोंडा–बहराइच मार्ग स्थित जिला परिषद कालोनी के पास दो दुकानदारों में चिकन का कचरा फेंकने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद चिकन दुकानदार मोहम्मद अमीन उर्फ मुन्ना व उसके पुत्र सुल्तान ने चिकन काटने वाले छूरे से ही यासीन पर वारकर मौत के घाट उतार दिया था। बीच बराव करने दौड़े यासीन के पुत्र दानिश को भी छूरा मारकर घायल कर दिया गया था। घटना के बाद आसपास के लोगों ने खून से लथपथ यासीन को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। मामले में मृतक यासीन के बेटे दानिश की तहरीर पर पिता मोहम्मद अमीन उर्फ मुन्ना पुत्र कल्लू व सुल्तान पुत्र मो अमीन के विरुद्ध हत्या व जानलेवा हमले की रिपोर्ट नगर कोतवाली में दर्ज की गई थी। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की लेकिन घटना के बाद से ही दोनों के मोबाइल स्विच ऑफ हो गए। अब पुलिस आरोपियों के सगे संबंधियों के माध्यम से आरोपियों का सुराग लगा रही है। नगर कोतवाल संतोष कुमार मिश्रा ने बताया की हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की पांच टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है।

दिन में कई बार लगे भीषण जाम में जूझते रहे लोग

संवाददाता–बलरामपुर। नगर में जाम की समस्या दिनों दिन बिकराल होती जा रही है। झारखंडी रेलवे क्रासिंग का समपार फाटक बंद होने के दौरान नगर में भीषण जाम लग जाता है। जिसमें लोगों को काफी जद्दोजहद करना पड़ता है। बुधवार को सुबह आठ से शाम सात बजे के बीच लगभग सात बार समपार फाटक बंद होने पर लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। इस दौरान जहां स्कूली बच्चे परेशान रहे, एंबुलेंस फंसी रही। वहीं जरूरी काम से निकले लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देर हो गई। यातायात कर्मियों ने जाम हटवाने में कोई रुचि नहीं दिखाई।

नगर का झारखंडी रेलवे क्रासिंग जाम को लेकर लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। लम्बे समय से यहां पर ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग भी चल रही है। लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। बड़ी लाइन बनने के बाद इस रूट पर ट्रेनों की संख्या भी बढ़ी है। दिन में कई बार यहां से यात्री व मालगाड़ियां गुजरती हैं। एक बार समपार फाटक बंद होने पर आधा घंटे से लेकर 45 मिनट तक लोगों को जाम में जूझना पड़ता है। बुधवार का दिन जाम का दिन बेहद कष्टकारी रहा। गोंडा व तुलसीपुर मार्ग पर लगे जाम से लोग दिन भर परेशान रहे। वीर विनय चौक से लेकर तुलसीपुर रोड के अम्बेडकर तिराहा तक पूरा दिन जाम लगा रहा, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस रोड पर जिला अस्पताल, कई बैंक तथा स्कूल एवं कॉलेज पड़ते हैं। जाम लगने के कारण लोगों को न सिर्फ देरी होती है बल्कि उन्हें परेशान भी होना पड़ता है। जाम के चलते एंबुलेंस के फंसने से मरीजों को अस्पताल पहुंचने में देरी हुई। नगर में बढ़े वाहनों एवं ई–रिक्शा की संख्या ने जाम की समस्या को और भी विकराल बना दिया है। नगर वासियों का कहना है कि जाम की समस्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में जिम्मेदार लोगों को इस पर ध्यान देकर समस्या का समाधान कराना चाहिए।

शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़े नहीं तो संघर्ष होगा -निर्मल

संवाददाता–श्रावस्ती। प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ श्रावस्ती की एक बैठक गिलौला में हुई। बैठक में मानदेय वृद्धि पर बातचीत की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मानदेय न बढ़ाने पर संघर्ष किया जाएगा। बैठक में जिलाध्यक्ष निर्मल शुक्ल ने कहा कि शिक्षा मित्रों की समस्या पर प्रदेश सरकार ध्यान नहीं दे रही है। शिक्षा मित्र 2017 से मात्र 10 हजार रुपए पर कार्य कर रहे हैं जो जीविकोपार्जन के लिए पर्याप्त नहीं है। महंगाई के दौर में सरकार को शिक्षा मित्रों की समस्याओं का स्थाई निदान करना चाहिए। पिछले दिनों ट्रांसफर का शासनादेश तो जारी हुआ है, परन्तु उस पर अभी तक आगे कोई कार्य नहीं हुआ है जिससे यह प्रक्रिया भी रुकी है। जिलाध्यक्ष ने उपस्थित शिक्षामित्रों का आह्वान किया कि सभी अपने दायित्व और अधिकार के प्रति सजग रहें।

एमआरएफ सेंटर भिनगा मे मनाया गया स्वच्छ बसंत अभियान

संवाददाता–श्रावस्ती। बुधवार को नगर पालिका परिषद भिनगा के एमआरएफ सेंटर में स्वच्छ बसंत अभियान चलाया गया। इस दौरान परिसर की सुंदरता के लिए अशोक, जामुन एवं सागौन आदि के पौधों को कंपोस्ट पिट से बनाई गई खाद के साथ रोपा गया। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी डॉ अनीता शुक्ला ने कहा कि स्वच्छ बसंत प्रतियोगिता जागरूकता सहभागिता और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से नगर में साफ सफाई बनी रहेगी। जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि स्वच्छ बसंत अभियान स्वच्छता के प्रति समाज में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में अवधेश सिंह, दिवाकर मौर्य, राकेश, पवन कुमार, अंजनी कुमार एवं स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

नो व्हीकल जोन घोषित किया गया अयोध्या धाम, दर्शन के लिए लगी लंबी कतारें

संवाददाता–अयोध्या। माघ पूर्णिमा के मौके पर अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। देश भर से अयोध्या पहुंचे श्रद्धालु सरयू में स्नान कर मठ मंदिरों में दर्शन कर रहे हैं। राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में कई किलोमीटर लंबी कतार लगी हुई है। रामनगरी में लाखों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद हैं। अयोध्या और आसपास के जिलों के भी श्रद्धालु पहुंचे हैं। प्रयागराज महाकुंभ से स्नान के बाद भी आस्था का जन सैलाब लगातार पहुंच रहा है।

3:00 बजे से ही स्नान, दान, दर्शन और पूजन का दौर चल रहा है। घाटों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अयोध्या धाम क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया है। रामनगरी में सभी तरह के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। कमिश्नर गौरव दयाल और आईजी प्रवीण कुमार खुद मोर्चा संभाले हुए हैं। भारी भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को पसीने छूट रहे हैं।

माघ पूर्णिमा के दिन करीब 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की संभावना है। भीड़ को देखते हुए अयोध्या में स्कूल भी 14 फरवरी तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। अयोध्या धाम में बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है। डायवर्जन का दायरा पहले की तुलना में बढ़ा दिया गया है।

रामलला का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना अनवरत जारी है। स्थिति यह है कि विद्यालयों को बंद करना पड़ा है और सभी पहुंच मार्गों पर वाहनों का तांता लगा हुआ है। अनुमान है कि मंगलवार से ही लगभग 10 लाख लोग अयोध्या धाम में हैं। दर्शन करके जितने श्रद्धालु धाम से बाहर जा रहे हैं, उससे अधिक आने वालों की कतार में हैं। दर्शन अवधि बढ़ाने के बाद भी समय कम पड़ रहा है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनवरत प्रयास कर रहे हैं। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने अंबेडकरगनर, सुल्तानपुर, बाराबंकी, रायबरेली व अमेठी जिले के बॉर्डर पर वाहनों के लिए होल्डिंग एरिया बनाया है। इसके बाद भी वाहनों का प्रेशर हाईवे पर देखने को मिल रहा है। लोग पैदल ही अयोध्या की ओर जा रहे हैं। वहीं, अयोध्या शहर में टेढ़ी बाजार से पहले उदया चौराहे पर ही शहर के अंदर पहुंच रहे चार पहिया वाहनों को पार्किंग एरिया में खड़ा कराया जा रहा है। वहां से पैदल राम जन्मभूमि मंदिर तक भक्त रास्ता तय कर रहे हैं।

आईजी प्रवीण कुमार ने कहा कि लगातार भारी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या आ रहे हैं। जिला प्रशासन के लिए सभी को दर्शन मुहैया करवाना चुनौती है। अयोध्या की अपनी एक क्षमता है, फिर भी सभी को दर्शन करवाने के प्रयास हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का सहयोग मिल रहा है। न्यूनतम असुविधा हो और ज्यादा से ज्यादा लोगों को दर्शन हो, इस पर ही काम किया जा रहा है। हाईवे पर जाम की स्थिति नहीं है। कई जगहों पर होल्डिंग एरिया बनाया गया है। राम मंदिर में रोजाना तीन लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन पूजन कर रहे हैं। मंदिर सुबह 5:00 बजे से रात 11:00 बजे तक खोला जा रहा है। इसके बावजूद बहुत सारे श्रद्धालु दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। एक श्रद्धालु को राम मंदिर में लाइन में लगकर दर्शन करने में दो से तीन घंटे लग जा रहे हैं। भीड़ का आलम यह है कि व्यवस्थाएं देने में प्रशासन व राम मंदिर ट्रस्ट के पसीने छूट रहे हैं। राम मंदिर परिसर में स्थित लॉकर की सुविधा कम पड़ गई है। ऐसे में बहुत सारे श्रद्धालु अपने सामान व मोबाइल लेकर अंदर दर्शन करने के लिए चले जा रहे हैं। प्रशासन श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन करने की व्यवस्था में लगा हुआ है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 409 / 2002
राजेन्द्र सिंह आदि
बनाम
जय प्रकाश सिंह आदि

2/1 अर्जित सिंह पुत्र स्व0 ओम प्रकाश 2/2 राजबीर सिंह नावालिग पुत्र स्व. ओम प्रकाश सिंह बवलायत श्रीमती शकुन्तला सिंह 2/3 श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व. ओम प्रकाश सिंह साकिनान मौजा मेंहदावल उत्तर पट्टी तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 21–03–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 21 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–53 / 2024
रामचन्दर
बनाम
सुभाष उर्फ सुभाष चन्द्र आदि

1. सुभाष उर्फ सुभाष चन्द पुत्र स्व0 रामबेचन 3. रामपति उर्फ भोला पुत्र स्व0 रामबेचन निवासीगण मौजा कुदरहा तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

आचार्य सत्येंद्र दास के निधन से अयोध्या के संत धर्माचार्य शोकाकुल, महंत नृत्य गोपाल ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–अयोध्या। श्री रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी महाराज का साकेतवास हो गया। आज माघ पूर्णिमा के पवित्र दिन बुधवार प्रातः सात बजे के लगभग उन्होंने पीजीआई लखनऊ में अंतिम सांस ली। वे वर्ष 1992 से रामलला की सेवा पूजा कर रहे थे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सहित अयोध्या धाम के संत धर्माचार्यों ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया और कहा कि पुजारी जी ने लगभग 32 वर्ष के सेवाकाल में अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं और प्रशासनिक व्यवस्था में मंदिर के अर्चक होने के कारण सहयोगी बने रहे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास महाराज ने सत्येंद्र दास के निधन पर कहा कि यह नश्वर संसार है। सभी को एक दिन मुक्त होना है। धार्मिक जीवन मूल्यों के प्रति संवेदनशील सदपुरूष की मृत्यु नहीं होती। उनकी ओर से किए गए सद्कार्य उन्हें चिरकाल तक समाज के मस्तिष्क पर जीवंत रखते हैं। सत्येन्द्र दास जी ने संत परम्परा का सदैव ध्यान रखा। 1992 में श्रीराम लला के अर्चक का दायित्व ग्रहण कर अपनी निष्ठा समर्पित की। उनका साकेत गमन हम सभी के लिए पीड़ादाई है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने कहा सत्येन्द्र दास जी हमारे पड़ोसी रहे। मंदिर की पूजन व्यवस्था के प्रति वह अपने कार्यकाल में सदैव संवेदनशील रहे। इन 30–31 वर्षों में वह हिंदू मुस्लिम समन्वय की चर्चा के केंद्र बिंदु बनते रहे। आज वह साकेतवासी हो गए, जिसके कारण अपार दुख हुआ है। श्रीराम लला उन्हे अपने चरणों में स्थान प्रदान करें।

विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि आचार्य सत्येन्द्र दास के निधन से धार्मिक जगत को अपूर्णीय क्षति पहुंची है। 1990 के पूर्व वह मंदिर आंदोलन में सहयोगी रहे। 1992 में प्रशासन की ओर से मंदिर के मुख्य पुजारी नियुक्त होने के पश्चात वह मंदिर व्यवस्था के अंग बनकर सेवारत हो गए। उनके निधन से अपार दुख पहुंचा है। श्रीरामलला उन्हें सदगति प्रदान करें।

बाबरी के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी भी आचार्य सत्येंद्र दास के दर्शन करने पहुंचे और शोक संवेदनाएं व्यक्त की। इकबाल अंसारी ने कहा कि वो मेरे लिए मेरे पिता की तरह थे। उन्होंने कभी भी हिंदू–मुसलमान का भेद नहीं किया और सभी को आशीर्वाद दिया।

हत्या में दोनों दोषियों को आजीवन कारावास, प्रत्येक पर 25 हजार रुपए जुर्माना

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जमीनी विवाद के चलते दलित की हत्या कर शव को छिपाने में दोनों दोषियों को विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम राम विलास सिंह ने आजीवन कारावास की सजा और 25–25 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। मामला पांच वर्ष पूर्व टांडा कोतवाली क्षेत्र का है। टांडा कोतवाली क्षेत्र के आसोपुर बगिया निवासी दलित शिवमूरत 26 मार्च 2019 की सुबह पत्नी प्रेमा देवी, पुत्र संजय एवं ध्रुव कुमार के साथ खेत की सिंचाई कर रहे थे। आरोप है कि गांव के ही राधे यादव पुत्र हीरा यादव एवं मनोज यादव पुत्र लालता यादव तथा दो अज्ञात लोग खेत में आए और सरसो व गेहूं की फसल को जानवरों द्वारा नुकसान करने की बात कहकर अपने साथ ले गए। देर रात तक घर वापस न आने पर तलाश किया गया किन्तु वह नहीं मिले और दूसरे दिन शिवमूरत का शव गेहूं के खेत में पाया गया। सत्र परीक्षण के दौरान विशेष लोक अभियोजक एससीएसटी एक्ट सुदीप मिश्र ने वादिनी मुकदमा समेत आधा दर्जन गवाहों को परीक्षित कराते हुए कठोर दंड के लिए दलीलें दी जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने अपने मुवक्किल के समर्थन में तर्क दिए। गवाहों के बयान एवं अपराध की गम्भीरता के दृष्टिगत न्यायाधीश ने दलित की हत्या में दोषी राधे यादव तथा मनोज यादव को आजीवन कारावास की सजा तथा प्रत्येक को 10–10 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अन्य दोनों धाराओं में भी न्यायाधीश ने दोनों दोषियों को अलग–अलग दंड से दंडित करते हुए प्रत्येक पर 15 हजार रुपए जुर्माना लगाया।

एमएलसी की भतीजी ने हॉस्टल में की आत्महत्या, जेईई में आए थे कम नंबर

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट इलाके के एक हॉस्टल में एक एमएलसी की भतीजी ने आत्महत्या कर ली। पंखे से फंदा लगाने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कमरे से बाहर निकाला। फिर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से साथ रहने वाली छात्रा भी सहम गई। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को जेईई का रिजल्ट आया था जिसमें कम नंबर होने के कारण युवती परेशान चल रही थी। ये मामला कैंट थाना क्षेत्र के बेतियाहाता सत्यदीप गर्ल्स हॉस्टल का है। जानकारी के मुताबिक संतकबीरनगर के मेंहदावल थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया के रहने वाले अजय नाथ मिश्रा की बेटी आदिति मिश्रा यहां किराये पर रहती थी। युवती कमरा नंबर 86 में रहती थी। साथ ही मोमेंटम कोचिंग से जेईई की तैयारी कर रही थी। मंगलवार को जेईई का रिजल्ट आने के बाद से वह काफी परेशान थी। देर रात युवती ने घरवालों से बात की और फिर बुधवार सुबह में भी बातचीत की थी।

जब साथ रहने वाली छात्रा सुबह 11 बजे के करीब नीचे किसी काम से चली गई थी और दोपहर में 12.40 बजे लौटी तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है। खिड़की से देखा तो अदिति का शव फंदे से लटक रही थी। अंदर साथी का शव देख वर चीख पड़ी। शोर सुनकर वार्डन व अन्य लोग भी आ गए। फिर पुलिस को सूचना देने के साथ ही कमरे का दरवाजा तोड़ कर अंदर गए तो देखा कि उसकी मौत हो चुकी थी। फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा। उसके कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि हो सके तो उसे माफ कर दें।

बाइक छिनैती के दो अभियुक्त गिरफ्तार

बाइसंवाददाता–गोरखपुर। बाइक लूट करने के दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की पहचान देवरिया के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के कतौरा निवासी आकाश कुमार (20) व कुशीनगर के अहिरौली थानाक्षेत्र के बरसैना निवासी अभिषेक यादव (19) के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की रात में बारात जा रहें पिपराइच क्षेत्र के दुबौली निवासी इंद्रेश, गामा व टुन्नू से छिनैती की घटना का एम्स पुलिस ने बुधवार को खुलासा किया। दोनों आरोपी युवक आकाश कुमार व अभिषेक यादव का पिपराइच क्षेत्र के दुबौली निवासी इंद्रेश ने मोबाइल तोड़ दिया था, जिसमें मोबाइल बनवाने को लेकर सोनबरसा बाजार में दोनो में विवाद हुआ था। जिसमें बीच बचाव करने के लिए इंद्रेश के गांव के गामा व टुन्नू भी वहां आ गए थे। गामा पर खार खाए आरोपी युवक आकाश कुमार और अभिषेक यादव ने मारपीट करके गामा की स्पलेंडर बाइक लेकर फरार हो गए थे।

महिला से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ इलाके एक मोहल्ले में पति की गैर मौजूदगी में महिला से दुष्कर्म के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान रसूलपुर के सलाउद्दीन उर्फ पप्पू के रूप में हुई। आरोपित को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, 10 फरवरी को महिला ने प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उसके पति की गैरमौजूदगी में सलाउद्दीन कुछ समय पूर्व घर में घुस गया। उसने मेरे साथ जबदस्ती करने लगा, विरोध करने पर मुझे मारपीट कर दुष्कर्म किया। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। कुछ दिन बाद मैं गर्भवती हो गई। गोरखनाथ पुलिस ने 11 फरवरी को केस दर्ज करके अगले ही दिन आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

महर्षि दयानंद सरस्वती, सन्त रविदास जयंती पर किया वैदिक यज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महर्षि दयानंद सरस्वती और सन्त रविदास जयंती के अवसर पर स्वामी दयानन्द विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती में वैदिक यज्ञ और विचार विनिमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने यज्ञ के पश्चात महर्षि दयानंद सरस्वती और सन्त रविदास के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह दोनों ही सन्त ईश्वर के अनन्य भक्त थे और ढोंग, आडंबर और सामाजिक कुरीतियों के प्रबल विरोधी थे। दोनों ने ही सनातन धर्म को सामाजिक सामंजस्य का मूल स्रोत माना है इसलिए दोनों ने ही जन्मना जाति को उचित नहीं माना। मनुष्य ब्रह्म के ज्ञान से ब्राह्मण, रक्षा और सुरक्षा के ज्ञान से क्षत्रिय, लेन देन के ज्ञान से वैश्य और सेवा ज्ञान से शूद्र होता है। इसमें जितना महत्व ब्राह्मण का है उतना ही शूद्र का है। इनमें कोई छोटा या बड़ा नहीं है बल्कि सभी एक दूसरे के पूरक और समान हैं। यह बातें हमारे वेद और मनुस्मृति बताती है। कालान्तर में हममें फूट डालने के लिए अंग्रेजों इसके गलत अर्थ करवाकर समाज को बांटने का कार्य किया पर महर्षि दयानंद सरस्वती ने वेदों का शुद्ध भाष्य करके समाज को पुनः वेदों की ओर लौटने का पावन संदेश दिया जिससे देश में संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गुरुकुल और डी ए वी कालेज खोले गए। कन्याओं की शिक्षा, विधवा विवाह, पाखण्ड उन्मूलन, गौरक्षा, बाल विवाह निषेध के साथ देश रक्षा के आह्वान से देशवासियों को क्रांतिकारी बनाकर अंग्रेजों को खदेड़ने का काम महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षा ने किया। आज पूरा देश इन दोनों महापुरुषों को नमन कर रहा है। इस अवसर पर शिक्षकों और बच्चों ने दोनों संतों के विचारों को एक दूसरे से साझा किया। कुछ बच्चों ने गीत से अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में आदित्यनारायण गिरि, गरुण ध्वज पाण्डेय, अनूप कुमार त्रिपाठी, अरविन्द श्रीवास्तव, नितीश कुमार, अनीशा मिश्रा शिवांगी गुप्ता, महक मिश्रा, पूजा गौतम, अंशिका पाण्डेय, प्रीति रावत, स्वप्नल, राधेश्याम आर्य सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य विधु शेखर ने किया गीता प्रेस का दर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। श्रृंगेरी मठ शारदा पीठ के शंकराचार्य विधु शेखर भारती ने बुधवार को गीता प्रेस का दर्शन किया। उनका स्वागत गीता प्रेस की दृष्टि देवी दयाल अग्रवाल ने किया। इसके बाद उन्होंने गीता प्रेस की सभी छपाई मशीनों को देखा तथा उनके बारे में विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद वह लीला चित्र मंदिर पहुंचे, जहां भगवान के विभिन्न लीलाओं तथा चित्रों का अवलोकन किया तथा उनके बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने आशीर्वाद स्वरुप कहा कि यहां के चित्रों में काफी भाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के दो ही प्रधान उपदेश हैं। एक भगवान की आराधना दूसरा परोपकार करना। उन्होंने कहा कि भगवान के विचारों को लोगों तक उनकी भाषा में पहुंचने का कार्य गीता प्रेस कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोक्ष प्राप्ति के तीन मार्ग कम भक्ति व ज्ञान है। यह मनुष्य इसी जन्म में कर सकता है।

कार्यालयः सहायक रजिस्ट्रार फर्म, सोसाइटी एवं चिट्स, गोरखपुर मंडल, गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नवीनीकरण हेतु श्री श्री विजय कुमार चौधरी द्वारा प्रबंधक की हैसियत से अनुमति शुल्क, कार्यवाही, सूची व अन्य प्रपत्र प्रस्तुत किया गया हैं। जिसमें श्री राघवेन्द्र वर्मा व श्री विजय कुमार चौ० के पद में परिवर्तन दर्शाया गया है श्री बसन्त लाल, श्रीमती संगीता देवी व श्री राजू हरिजन को उनके पद सदस्यता से हटाते हुए संस्था से निष्कासित कर दिया गया हैं। प्राप्त अभिलेख के अनुसार प्रबंध समिति 2024–25 में सर्व श्री 01. श्री राघवेन्द वर्मा अध्यक्ष, 02. श्री विजय कुमार चौधरी प्रबंधक, 03. श्रीमती सरोज सचिव, 04. श्रीमती प्रमिला देवी–आडिटर, 05. श्रीमती रीमा चौधरी कोषाध्यक्ष, 06. श्री जितेन्द्र चौधरी सदस्य, 07. श्री पतिराम– सदस्य दर्शाये गये है।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के प्रस्तुत प्रपत्रो के संबंध में कोई आपति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात् आपति पर विचार नही किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

विदित हो कि उक्त नोटिस सो०रजि० एक्ट 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

आज्ञा से
(बी० के० सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार गोरखपुर मण्डल, गोरखपुर

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारन को सूचित किया जाता है कि श्री अब्दुल हलीम पुत्र मो० हुसैन द्वारा सदर की हैसियत से संस्था मस्जिदे हनफिया अकाअदे वलमाए देवबंद, ग्रान पकरी पो० रौना कला तह० रूधौली, जनपद- बस्ती, जनपद बस्ती के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री. 1. श्री अब्दुर्रहीम-सरपरस्त, 2. श्री अब्दुल हलीम-सदर, 3. सरीफ मोहम्मद-नायब सदर, 4. मोहम्मद अंसारी-नाजिम, 5. श्री अब्दुल करीम-नायब नाजिम, 6.मोहम्मद अहमद-सिक्रेटरी, 7. श्री नियामुल्लाह अंसारी- नायब सिक्रेटरी, 8. श्री नुरुल हुदा-खजांची, 9. श्री निसार अहमद-नायब खजांची, 10. श्री अब्दुल मजीद-मेम्बर,11. श्री अब्दुल रहमान-मेम्बर, 12. मो० सरवर-मेम्बर,13 मोहम्मद रशीद-मेम्बर, 14. श्री हमीदुल्लाह-मेम्बर, 15. श्री सिराजुद्दीन-मेम्बर दर्शाये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण-दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

विदित हो कि उक्त नोटिस सो०जि०एक्ट 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

आज्ञा से- (बी.के.सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–321 / 2014
बृजलाल
बनाम
जगदीश आदि

1. जगदीश उम्र करीब 48 वर्ष पुत्र मेहीलाल साकिन देउरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. लुटई उम्र लगभग 63 साल पुत्र दुक्खी साकिन देउरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 11–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–560 / 2022
शिव मंगल आदि
बनाम
घनश्याम आदि

1. घनश्याम पुत्र काशीराम ग्राम व पोस्ट बलेसड़ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. अशोक कुमार पुत्र महेश चन्द्र साकिन गनेशपुर हाल मुकाम आनन्द नगर कटरा निकट काली मंदिर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–54 / 2024
रामसजीवन आदि
बनाम
तहसीलदार सदर बस्ती आदि

5. हल्का लेखपाल ग्राम भिटहा तहसील बस्ती जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 17–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com